an>

Title: Need to declare Fatehgarh Saheb in Punjab as a holy city.

श्री रवनीत सिंह (लुधियाना): मैडम, खास तौर पर यह शहीदी सप्ताह चल रहा है। ...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदया, मैं आपका बहुत शुक्रगुजार हूं कि आपने और सारे हाउस ने साहबजादों को यहां श्रद्धांजलि दी है। मेरे पास कोई शब्द नहीं है कि हम आपके कितने शुक्रगुजार हैं। ...(व्यवधान) गुरु गोबिंद सिंह जी, जिनको सत्कार से हम कलगियां वाला, बाजों वाला और दशम पातशाह भी कहते हैं, लेकिन सबसे ज्यादा सत्कार से हम उन्हें सरबंस दानी कहते हैं, जिन्होंने अपना सारा परिवार चार दिन के अंदर, जब वे खास तौर पर चमकौर की जंग चल रही थी, ...(व्यवधान) वहां दो बड़े साहबजादे खुद तैयार करके लड़ाई में भेजे और वे लड़ाई मे शहीद हुए और सिरसा नदी में उनका सारा परिवार अलग-अलग हो गया। छोटे साहबजादे और माताजी वहां से अलग होते हुए मरिण्डे में गिरफ्तार कर लिये गये। आपने कभी ऐसी दास्ता कभी नहीं सुनी होगी, वहां के सुबासरंग वजीद खां के अहलकार एक नौ साल के और एक साल के साहबजादे को पकड़ कर ले गए।...(व्यवधान) साहबजादों को कहा गया कि सबसे पहले इस्लाम कबूल करें। जैसी आज ठंड है, उस समय भी बहुत ज्यादा ठंड थी। इतनी ठंड में साहबजादों को कोड़े मारे गए और उसके बाद जब वे इस्लाम धर्म कबूल करने के लिए नहीं माने, तब उन्हें पेड़ के साथ बांध कर गुलेल के साथ उनके ऊपर हमला किया गया। छोटे साहबजादे की आंखों से खून बहने लग गया, फिर भी उन्होंने इस्लाम कबूल नहीं किया। ...(व्यवधान) उसके बाद वजीद खां ने हुकम किया कि इन्हें दीवार में चुनवा दिया जाए। जब साहबजादों को दीवार में चुनवाने लगे, तब तीन बार वह दीवार गिरी। दीवार बनाने वाले ने कहा कि साहबजादों के घुटनों की वजह से दीवार गिर रही है, तब उनके घुटनों को काटने का काम भी किया गया। जब फिर भी वह दीवार खड़ी नहीं हुई, तो जल्लाद को हुकम किया कि इनकी गर्दनें काट दी जाएं। ...(व्यवधान) मासूम बच्चे देखकर जल्लाद ने मना कर दिया और कहा कि मैं यह काम नहीं करूंगा।

फिर दो जल्लाद और बुलाए गए। उन जल्लादों ने नीचे पड़े हुए साहबजादों की गर्दनें काटीं। ये शहादत गुरु गोबिन्द सिंह जी की है।...(व्यवधान)

महोदया, मुझे याद है जब मेरे दादा जी सरदार बेअंत सिंह मुख्य मंत्री बने, उन्होंने मुख्य मंत्री बनते ही फतेहगढ़ साहब को डिस्ट्रिक्ट बनाया था। यदि हम वहां सोने की सड़कें भी बना दें, तो वह भी कम है।...(व्यवधान) आज उस जिले को खास तौर पर प्रधान मंत्री जी और हमारे मुख्य मंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह जितना ज्यादा से ज्यादा फंड दिया जा सकता है, जरूर दें। ...(व्यवधान) श्री फतेहगढ़ साहब को पवित्र नगरी घोषित करें, तो मैं समझता हूं कि सिख जगत में और दुनिया में मैसेज जाए कि इससे बड़ी कोई गुरु की कुर्बानी नहीं है। ...(व्यवधान)

मैं दोबारा उनके प्रति शीश झुकाता हूं और उनके सामने श्रद्धा से नमन पेश करता हूं। धन्यवाद। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप एसोसिएट कर सकते हैं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष:

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और

श्री संतोख सिंह चौधरी को श्री रवनीत सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।